

प्राधिकार से प्रकाशित

सं ० 31

नई बिल्ली, शनिवार, प्रगस्त 2, 1969/श्रावण 11, 1891

No. 31]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 2, 1969/SRAVANA 11, 1891

इस भाग में भिन्न पृष्ट संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II--- खण्ड 4

PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय हारा जारी किये गये विधिक नियम ग्रीर श्रावेश Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defince

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 18th July 1969

S.R.O. 238.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board Dehu Road by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Major J. S. Garewal.

[Ffle No. 19/32/C/L & C/65/2844-C/1/D(Q & C).1]

S.R.O. 239.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Major N. R. Raju has been nominated as a member of the Cantonment Board, Dehu Road vice Major J. S. Garewal who has resigned.

[File No. 19/32/C/L & C/65/2844-C/2/D(Q & C).]

S. P. MADAN, Under Secy.

New Delhi, the 23rd July 1969

- S.R.O. 240.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the A. F. M. College (Civilian Teaching Staff) Recruitment Rules, 1964, namely:—
 - (1) These rules may be called the A. F. M. College (Civilian Teaching Staff)
 Recruitment Amendment Rules, 1969.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

- 2. After rule 4 of the A. F. M. College (Civilian Teaching Staff) Recruitment Rules, 1964, the following rule shall be inserted, namely:—
 - "5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons/post".

[File No. F. 1/10/63/1845/D(Appts.).]

V. A. VALIAPARAMPIL, Under Secy-

(Department of Defence Production) CORRIGENDUM

New Delhi, the 21st July 1969

S.R.O. 241.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Defence S.R.O 320 dated 8th October, 1968 published in the Gazette of India Part II, Section IV relating to the Department of Defence Production (Directorate General of Inspection) Class III Non-Gazetted (Technical, Scientific and other Non-Ministerial) posts Recruitment Rules, 1964, amend "83-1/3" to read "33-1/3" in the second line of para 2(a).

[File No. 67187/TD-DPC/6985/D(Prod).]

D. R. IYER, Under Secy.

रका मंत्रालय

नई दिल्ली, 28 नवम्बर, 1968

सदास्त्र बल मुख्यालय सिविल सेवा (ज्येष्ठ सिविलियन स्टाफ ब्राफिसर, सिविलियन स्टाफ ब्राफिसर चौर ब्रामीक्षक की श्रेरिएयों पर प्रोन्निति विनियम, 1968

का० नि० ग्रा० 38 6.—सगस्त्र बल मुख्यालय सिविल सेवा नियम, 1968 के नियम 11 के उपनियम (2) के श्रनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, संघ लोक सेवा श्रायोग के परामंग से, एतदुद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती हैं, श्रर्थात्-

- संक्षिण्त नाम ग्रौर ग्रारम्भ—(1) ये विनियम सगस्त्र बल मुख्यालय सिविष्य सेवा (ज्येष्ठ सिविलियन स्टाफ ग्राफिसर, सिविलियन स्टाफ ग्राफिसर ग्रौर श्रधीक्षक की श्रेणियों पर प्रोप्ति) विनियम, 1968 कहें जा सकेंगे।
 - (2) ये सुरन्त प्रवृत्त हो जाऐंगे।
 - 2. परिभाषाएं इन विनियमों में, जब तक कि सदर्भ से ग्रन्यथा ग्रपेक्षित न हो--
- (क) "पात श्राफिसर" से वह श्राफिसर श्रिभन्नेत है जो नियमों की तृतीय श्रनुसूची के श्रधीन जैसी कि वह उस वर्ष की पहनी श्रक्तूबर को थी जिस वर्ष चयन सूची तैयार की गई थी, सेवा की, यथास्थिति ज्येष्ठ सिविलियन स्टाफ श्राफिसर या सिविलियन स्टाफ श्राफिसर या सिविलियन स्टाफ श्राफिसर या श्रीक्षक की श्रेणी मे, नियुक्ति के लिये विचार किए जाने का पात है;
- (खा) "चयनक्षत्र "से पात आफिसरों की ज्येष्ठताक्रम मे रखी गई वह सूची अभि -प्रेत है जिसमें चयन सूची में सम्मिलित किए जाने के लिए घयन किया जाएगा;
 - (ग) "नियम" से सशस्त्र बल मुख्यालय सिविल सेवा नियम, 1968, श्रीभिन्नेत है ;

- (घ) "चयन सूची" से सेवा के, यथास्थिति ज्येष्ठ सिविशियन स्टाव श्राफिसर या सिविशियन स्टाक श्राफिसर या श्रधीक्षक की श्रेणी में नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझे गए पात आफिसरों की वह सूची ग्रभिप्रेत हैं जिसे विनियम 4 के श्रनुसार तैयार किया गया हो।
- (জ) ''प्रवरण बोर्ड विभागीय प्रोम्नति समिति'' से विनियम 3 के भ्रनुसार गठिल बोर्ड समिति শ্रभिप्रत है।
- (2) इन विनियमों में प्रयुक्त अन्य सभी शब्दों और पदों के, जो इसमें परिभाषित नहीं हैं, वही अर्थ होंगें जो उन्हें नियमों में क्रमशः समनुदिष्ट किए गए हैं।
- 3. प्रवरण **बोर्ड और विभागीय पोन्नित समिति का गठन**—(1) (क) ज्येष्ठ सिविलियन स्टाफ श्राफिसर (वर्ग 1) श्रीर सिविलियन स्टाफ श्राफिसर (वर्ग 1) की श्रेणियों में प्रोप्तित के लिए चयनार्थ केन्द्रीय सरकार एक प्रवरण बोर्ड का गठन करेगी, जिसमें निम्निलिखित होंगे—
 - (।) श्रायोग का अध्यक्ष या कोई सदस्य:
 - (।।) सशस्त्र बल मुख्यालय सिविलियन स्थापन्न रक्षा मन्नालय, का भारसाधक संयुक्त सचिव;
 - (।।।) मुख्य प्रशासनिक ग्राफिसर, रक्षा मत्रालय ; श्रौर
 - (।V) सेना नुख्यालय, नौसेना मुख्यालय भौर वायुसेना मुख्यालय में से प्रत्येक का एक-एक प्रतिनिधि जो निदेशक की प्रास्थिति से नीचे की नहो।
- (জ) श्रायोग का ग्रध्यक्ष या सदस्य प्रवरण बोर्ड की सभी बैठकों की ग्रध्यक्षता करेगा।
- (2) (क) केन्द्रीय सरकार भ्रधीयक (वर्ग-2 राजपितत) की श्रेणी में प्रोन्नित के लिए चयनाथ विभागीय प्रोन्नित समिति का गठन भी करेगी, जिसमें निम्नलिखित होंगे--
 - (।) सशस्त्र बल मुख्यालय सिविलियन स्थापना, रक्षा मंत्रालय का भारसाधक संयुक्त सचिव;
 - (।।) मुख्य प्रशासनिक ग्राफिसर, रक्षा मन्नाक्षय; श्रौर
 - (।।।) सेना मुख्यालय नौसेना पुख्यालय और वायुसेना मुख्यालय मे से प्रत्येक का निदेशक की प्रास्थिति का एक-एक प्रतिनिधि।
- (ख) सशस्त्र बल मुख्यालय सिविलियन स्थापन, रक्षा मंत्रालय का भारसाधक संयुक्त सचिव, विभागीय प्रोप्निति समिति की सभी बैठकों की ग्रध्यक्षता करेगा।
- 4 चयन सूत्री तैयार करना——(1) ज्येष्ठ सिविधियन स्टाफ प्राफिनर, सिविधियन स्टाफ प्राफिनर प्रौर प्रधीक्षक की श्रेणियों में प्रोन्नित के लिए चयन सूचों, प्रत्येक वर्ष कम से कम एक बार तैयार की जाएगी, यदि उस वर्ष की पहली प्रक्तूबर को अपनी-ग्रपनी श्रेणी की चयन सूची में सम्मिलित श्राफिनरों की संख्या उपविनियम (2) के श्रधीन ग्रव-धारित सदस्य संख्या से कम हो।

टिप्पएा:— इन विनियमों के प्रयोजनों के लिए, सेवा के प्रारम्भिक गठन पर या उसके पश्चात किसी श्रेणी में दीर्वकालीन रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए अनुभोदित आफिसरों को तब तक उस श्रेणी की चयन सूची में सम्मिलित आफिसर समझा जाएगा जब तक कि उनके नाम विनियम 5 के उपविनियम (3) के श्रधीन चयन सूची में से हटा नहीं दिए जाते।

- (2) संबद्ध श्रेणी की चयन सूची में सम्मिलित किए जाने वाले श्राफिसरों की संख्या केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर श्रव।रित की जाएगी।
- (3) उन द्याफिनरों के नाम जो संबद्ध श्रेणी में प्रोन्नित के लिए विहित पान्नता की शर्ते पूरी करने हों, एक ही जेष्ठता सूची में रखे जाएंगे।
- (4) चयन क्षेत्र का मामूली तैर से चयन-सूची में सम्मिलित किए जाने वाले श्राफि-सरों की संख्या के तीन गुने से लेकर पांच गुने तक, जैसा भी, यथास्थिति प्रवरण बोर्ड या विभागीय प्रोन्नति समिति द्वारा विनिष्चित किया जाए, होगा।
- (5) यथास्थिति प्रवरण, बोर्ड या विभागीय प्रोन्नति समिति, उपचयन क्षेत्र में सम्मि-लित ऐसे श्राफिसरों को जो सबद्ध श्रेणी मे नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझे गए हों, योग्यता के श्राधार पर, 'उत्कृब्द', 'बहुत ग्रच्छा' या 'श्रच्छा' के रूप में वर्गी : कृत करेगी।

- (6) यथास्थिति, विनियम 3 के उपविनियम (1) में निर्दिष्ट प्रवरण बार्ड की या उक्त विनियम के उपविनियम (2) में निर्दिष्ट विभागीय प्रोन्नित समिति की मिफारिर्णे सथा सबद्ध श्राफिसरों के श्रधतन गोपनीय श्रभिलेख श्रौर ऐसी अन्य सूचना जो सुसंगत हो, अब तक कि संघ लोक सेवा आयोग (परामर्ण से छूट) विनियम, 1958 के श्रधीन ऐसा निदंश अनावश्यक न हो, आयोग को उसकी सलाह के लिए भेज दी जाएगी।
- (7) वर्गीकरण की बाबत, यथास्थिति ग्रायोग या विभागीय प्रोन्नति समिति की सिफारिशे केन्द्रीय सरकार के ग्रादेशों के श्रध्यधीन रहते हुए स्थीकार कर ली जाएँगी।
- (8) चयन सूची पहले श्रन्तिम रूप से 'उत्कृष्ट' वर्गीकृत श्राफिसरों में से, फिर उसी प्रकार 'बहुत श्रन्छा' वर्गीकृत श्राफिसरों में से श्रौर उसके पश्चात उसी प्रकार 'ग्रन्छा' वर्गीकृत श्राफिसरों में से श्रवेक्षित संख्या मे नाम सम्मिलित कर के तैयार की जाएगी। प्रत्येक प्रवर्ग में नाम उनकी पारस्परिक ज्येष्ठता के ऋम में रखे आएंगे।
- $\sqrt{9}$ उपर्युक्त प्रकार से तैयार की गयी चयन सूची मुख्य प्रशासनिक प्राफिसर, रक्षा मंत्राक्षय, द्वारा जारी की जाएगी।
- 5. चयन सूची से नामों का हटाया जाना—(1) उपविनियम (3) के अधीन किए गए अपवादों के अध्यान रहते हुए, किसी श्रेणी की चयन सूची में सम्मिलित किया गया आफिसर उसमें तब तक दिखाया जाता रहेगा जब तक कि उसे उस श्रेणी में अभिस्थायी रूप से नियुक्त नहीं कर दिया जाता।

- (2) सबद्ध श्रेणी की चयन सूची मे सम्मिलित वे श्राफिसर जो, यथास्थिति, ज्येष्ठ मिविलियन स्टाफ ग्राफिसर, सिविलियन स्टाफ ग्राफिसर, सिविलियन स्टाफ ग्राफिसर या श्रधीक्षक नियुक्त नहीं किए जा सकते या जो रिक्तिया न होने के कारण उन पदों से, प्रतिवितित कर दिए जाते है, संबद्ध श्रेणी की चयन सूची में सम्मिक्षित किए जाते रहेंगे ग्रीर उस ज्येष्ठता को बनाए रखेंगे जो उन्हें सूची मे समन्दिष्ट की गई है।
- (3) संबद्ध श्रेणी की चयन सूची में से निम्नलिखित प्रवर्गों के व्यक्तियों के नाम हटा दिए जाएंगे---
 - (क) उस श्रेणी में श्राभिस्थायी रूप से नियुक्त ध्यक्ति ;
 - (खा) ग्रन्य सेवा या पद पर ग्राभिस्थायी रूप से अन्तरित व्यक्ति;
 - (ग) वे व्यक्ति, जिन की मृत्यु हो गई हो या जो सेवा से निवृत्त हो जाएं या जिनकी सेवाएं ग्रन्थथा समाप्त कर दी जाएं;
 - (घ) (i) यथास्थिति, ज्येष्ठ सिविलियन स्टाफ श्राफिसर या सिविलियन स्टाफ श्राफिसर या श्रधीक्षक की श्रेणियो में, नियमों के नियम 13 में विनिर्दिष्ट परिवीक्षा की कालावधि से श्रागे, स्थानापन्न रूप से काम कर रहे वे व्यक्ति जो विभागीय जांच या केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गी-करण, नियंत्रण ग्रौर श्रपील) नियम, 1965 के श्रधीन कार्यवाहियों के परिणामस्वरूप उन श्रेणियो से प्रतिवर्तित कर दिए गए हो;
 - (ii) वे व्यक्ति जो नियमों के नियम 13 में विहित अपनी-अपनी श्रोणी में परिवीक्षा की कालाविध के दौरान या उसके समाप्त होने पर उकत नियमों के नियम 15 के उपनियम (4) के अधीन उससे इस आधार पर प्रतिवर्तित कर दिए जाए कि वे उस श्रेणी में बने रहने के उपयुक्त नहीं है;
 - (iii) वे व्यक्ति, जो यथास्थिति ज्येष्ठ सिविलियन स्टाफ आफिसर, सिवि-लियन स्टाफ आफिसर या अधीक्षण के रूप मे आभी तक परिवीक्षा पर प्रोन्नत नही हुए है और जिनके बारे में चयन सूची के वार्षिक पुनर्विलोकन पर यह पाया गया हो कि चयन सूची सिम्नितित किए जाने के बाद से वे श्रपने श्रभिलेख या श्राचरण या दोनो में ह्यास हो जाने के कारण, श्रपेक्षित स्तर से नीचे गिर गए है।
- 6. व्यावृिष्ति—विनियम 4 में अन्तिविष्ट किसी बात के होते हुए भी किन्तु विनियम 5 के अध्यधीन रहते हुए यह है कि जो आफिसर इन विनियमों के प्रवृत्त होने से पूर्व, यथास्थिति ज्येष्ठ सिविश्तियन स्टाफ आफिसर, सिविश्तियन स्टाफ आफिसर या अधीक्षक के रूप में अनुमोदित किए जा चुके हैं किन्तु नियुक्त नहीं किए गए हैं वे उस श्रेणी मे नियुक्ति के लिए पान्न बने रहेगे।

नई दिल्ली, 28 नवम्बर, 1968

इासस्त्र बल मुख्यालय ग्राशुलिपिक सेवा (श्रेग्गी-1 में प्रोग्नति) विनियम, 1968

का० मि० गा० 387—सशस्त्र बल मुख्यालय श्राशुलिपिक सेवा नियम, 1968 के नियम 11 के उपनियम (2) के श्रनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, संघ लोक सेवा श्रायोग के परामर्श से, एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनानी है, श्रर्थान् —

- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ--(1)ये विनियम सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा (श्रेणी-1 में प्रोन्नति) विनियम, 1968 कहे जा सकेंगे।
 - (2) ये तुरन्त प्रवृत्त हो जायेंगे।
 - 2. परिभाषाएं---इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से ग्रन्थथा अपेक्षित न हो---
 - (क) "विभागीय प्रोक्षति समिति" से विनियम 3 के श्रनुसार गठित समिति श्रिभिप्रेत है;
 - (ख) "पात्न भ्राफिसर" से वह भ्राफिसर भ्राभिप्रेत है जो नियमों की नृतीय धनुसूची के ग्रधीन जैसी कि वह उस वर्ष की पहली भ्रक्तूबर को थी जिस वर्ष चयन सूची नैयार की गई थी, सेवा की श्रेणी-1 में नियुक्ति के लिए विचार किए जाने का पात्न है;
 - (ग) "चयन क्षेत्र" से पात्र श्राफिसरों की ज्येष्ठता-क्रम मे रखी गई वह सूची श्रिभिप्रेत है जिसमें चयन सूची में सम्मिलत किए जाने के लिए चयन किया जाएगा;
 - (घ) "नियम" से सशस्त्र बल मुख्यालय ग्राशुलिपिक सेवा नियम, 1968, ग्रिभिप्रेत है;
 - (ङ) "चयन सूची" से सेवा के श्रेणी-1 में नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझे गए पात्र श्राफिसरों की वह सूची श्रिभिप्रेत है जिसे विनियम 4 के श्रनुसार नैयार किया गया हो।
 - (2) इन विनियमों में प्रयुक्त अन्य सभी शब्दों और पदों के, जो इसमें परिभाषित नहीं हैं, वहीं अर्थ होंगे जो उन्हें सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1968 में कमशः समनुदिष्ट किए गए हैं।
 - विभागीय प्रोन्नित सिमिति का गठन—(1)श्रेणी-1 में प्रोन्नित के लिए चयनार्थ केन्द्रीय सरकार एक विभागीय प्रोन्नित सिमिति का गठन करेगी, जिसमें निम्निलिखित होंगे—
 - (i) सगस्त्र बल मुख्यालय सिविलियन स्थापन, रक्षा मंद्रालय का भारसाधक संयुक्त सचिव;
 - (ii) मुख्य प्रशासनिक भ्राफिसर, रक्षा मंत्रालय; भ्रौर
 - (iii) सेना मुख्यालय, नौ सेना मुख्यालय ग्रौर वायुसेना मुख्यालय में से प्रत्येक का एक-एक प्रतिनिधि जो निदेशक की प्रास्थित का हो।
 - (2) सशस्त्र बल भुख्यालय सिविलियन स्थापन, रक्षा मंत्रालय, का भारसाधक संयुक्त सचिव विभागीय प्रोन्नति समिति की सभी बैठकों की प्रध्यक्षता करेगा।

- 4. चयन सूची तथार करना——(1) श्रेणी—1 में प्रोन्नति के लिए चयन सूची प्रत्येक वर्ष कम से कम एक बार नैयार की जाएगी, यदि उस वर्ष की पहली प्रकटूबर को श्रेणी-1 की चयन सूची में सम्मिलित श्राफिसरों की संख्या उपविनियम (2) के श्रधीन श्रवधारित सदस्य संख्या से कम हो।
- दिप्पण :—इन विनियमों के प्रयोजनों के लिए, सेवा के प्रारम्भिक गठन पर या उसके पश्चान् श्रेणी-1 में दीर्घकालिक रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए अनुमोदित श्राफिसरों को तब तक उस श्रेणी की चयन सूची में सम्मिलित श्राफिसर समझा जाएगा जब तक कि उनके नाम विनियम 5 के उपविनियम (3) के श्रधीन चयन सूची में से हटा नहीं दिए जाते।
- (2) श्रेणी-1 की चयन सूची में सम्मिलित किए जाने वाले **प्राफिसरों की संख्या केन्द्रीय** सरकार द्वारा समय-समय पर श्रवधारित की जाएगी।
- (3) उन श्राफिसरों के नाम, जो श्रेणी-1 में प्रोन्नति के लिए विहित पानता की शर्ने पूरी करते हों, एक ही ज्येष्ठता सूची में रखे जायेंगे।
- (4) चयन क्षेत्र का मामूली तौर से विस्तार—चयन-सूची में सम्मिलित किए जाने वाले श्राफिसरों की संख्या के तीन गुने से लेकर पांच गुने तक, जैसा भी विभागीय प्रोन्नति समिति द्वारा विनिश्चित किया जाए, होगा ।
- (5) विभागीय प्रोन्नति समिति, चयन-क्षेत्र में सिम्मिलित ऐसे प्राफिसरों को जो श्रेणी-1 में नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझे गए हों, योग्यता के प्राधार पर, 'उत्कृष्ट', 'बहुत अच्छा' या 'भ्रच्छा' के रूप में वर्गीकृत करेगी।
- दिष्पणः अनुसूचित जातियों और श्रनुसूचित जनजातियों के श्राफिसरों के मामलों पर विचार करते समय, विभागीय प्रोप्तित समिति ऐसे श्रनुदेशों द्वारा मार्गदर्शित होगी जो केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निकाले जाएं।
- (6) वर्गीकरण की बाबत, विभागीय प्रोन्नति समिति की सिफारिशें, केन्द्रीय सरकार के श्रादेशों के श्रध्यधीन रहते हुए, स्वीकार कर ली जाएंगी।
- (7) चयन सूची पहले श्रन्तिम रूप से "उत्कृष्ट" वर्गीकृत श्राफिसरों में से, फिर उसी प्रकार 'बहुत श्रन्छा' वर्गीकृत श्राफिसरों में से श्रोर उसके पश्चान उसी प्रकार 'श्रन्छा' वर्गीकृत श्राफिसरों में से श्रोपेक्षित संख्या में नाम सम्मिलित कर के नैयार की जाएगी। प्रत्येक वर्ग में नाम उनकी पारस्परिक ज्येष्ठता के कम में रखे जाएंगे।
- (8) उपर्युक्त प्रकार से नैयार की गई चयन सूची मुख्य प्रशासनिक भ्राफिसर, रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की जाएगी।
- 5. चयन सूची से नामों का हटाया जाना—(1) उपविनियम (3) के प्रधीन किए गए प्रपथादों के प्रध्यधीन रहते हुए, श्रेणी-1 की चयन सूची में सम्मिलित किया गया धाफिसर उसमें तब तक दिखाया जाता रहेगा जब तक कि उसे उस श्रेणी में प्रभिस्थायी रूप से नियुक्त नहीं के दिया जाता।
- (2) श्रेणी-1 की वयन सूची में सम्मिलित वे आफिसर जो उस श्रेणी में नियुक्त नहीं किए जा सकते या जो रिक्तियां न होने के कारण उन पदों से, प्रतिवर्तित कर दिए जाते हैं, चयन सूची में सम्मिलित किए जाते रहेंगे श्रोर उस ज्येष्ठता को बनाए रखेंगे जो उन्हें सूची में समनुदिष्ट की गई हैं।

- (3) श्रेणी-1 की चयन सूची में से निम्नलिखित प्रवर्गी के व्यक्तियों के नाम हटा दिए जाएंगे---
 - (क) उस श्रेणी में ग्रभिस्थायी रूप से नियुक्त व्यक्ति;
 - (ख) अन्य सेवा या पद पर अभिस्थायी रूप से अन्तरित व्यक्ति:
 - (ग) वे व्यक्ति जिनकी मृत्यु हो गई हो या जो सेवा से निवृत्त हो जाएं या जिनकी सेवाएं भ्रन्यथा समाप्त कर दी जाएं;
 - (घ) (i) श्रेणी-1 में, नियमों के नियम 13 में विनिर्दिष्ट परिवीक्षा की कालावधि से ग्रागे स्थानापन्न रूप से काम कर रहे वे व्यक्ति जो विभागीय जांच या केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण ग्रौर ग्रापील) नियम, 1965 के ग्राधीन कार्यवाहियों के परिणामस्वरूप उस श्रेणी से प्रतिवर्तित कर दिए गए हों;
 - (ii) वे व्यक्ति जो नियमों के नियम 13 में विहित श्रेणी—1 में परिवीक्षा की कालावधि के दौरान या उसके समाप्त होने पर उक्त नियमों के नियम 14 के उपनियम (4) के अधीन उससे इस आधार पर प्रतिवर्तित कर दिए जाएं कि वे श्रेणी-1 में बने रहने के उपयुक्त नहीं हैं;
 - (iii) वे व्यक्ति, जो श्रेणी—1 में श्रभी तक परिवीक्षा पर प्रोन्नत नहीं हुए हैं श्रीर जिनके बारे में चयन सूची के वार्षिक पुनर्विलोकन पर यह पाया गया हो कि चयन सूची में सम्मिलित किए जाने के बाद से वे श्रपने श्रभिलेख या श्राच-रण या दोनों में हास हो जाने के कारण, श्रपेक्षित स्तर से नीचे गिर गए हैं।
- 6. क्यावृत्ति--विनियम 4 में भ्रन्तिविष्ट किसी बात के होते हुए भी किन्तु विनियम 5 के भ्रष्ट्यधीन रहते हुए यह है कि जो श्राफिसर इन विनियमों के प्रवृत्त होने से पूर्व, श्रेणी-1 के लिए भ्रनुमोदित किए जा चुके हैं किन्तु उसमे नियुक्त नहीं किए गए हैं, उस श्रेणी में नियुक्ति के लिए पान बने रहेंगे।

[फा॰ सं॰ भ3912/मु॰प्रश॰ श्राफ॰ (वि॰प्रो॰ समि॰)]

श्रार० बी० बघाईवाला, संयुक्त सचिव ।

नई दिल्ली, 24 मार्चे, 1969

सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिकाय सेवा (प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम, 1969

साठ काठ निरु साठ 109.—सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिकीय सेवा नियम, 1969 के नियम 11 के श्रनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, संघ लोक सेवा श्रायोग से परामर्ण करने के पश्चात, एतद्शारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, श्रयात्—

1. संक्षिण्त नाम ग्रौर प्रारम्भ—(1) ये विनियम सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिकीय सेवा (प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम, 1969 कहे जा सकोंगे।

- (2) ये शासकीय राजयत्न में श्रयने प्रकाशन की तारीख को प्रयुत्त हो जाएंगे।
- 2. परिभाषाएं (1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से ग्रन्यया ग्रिपेक्षित न
 - (क) 'उपलब्ध रिक्तियों' से सेवा के निम्न श्रेगी ग्रेड की वे रिक्तिया ग्रिभिप्रेत हैं जिन्हें परीक्षा के परिणाम के ग्राधार पर भेरे जाने का विनिण्चय किया जाए;
 - (ख) 'परीक्षा' से, सेवा के निम्न श्रेणी ग्रेड में, ग्रौर ऐसी सेवाग्रों, विभागों. या कार्यालयों में, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर ग्रिधिसूचित किए जाएं, निम्न श्रेणी लिपिकों के पदों पर सीधी भर्ती के लिए ग्रायोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा ग्रभित्रेत हैं: तथा
 - (ग) 'श्रनुपूचित जानियों' भ्रौर 'श्रनुसूचित जनजातियों' के वे श्रर्थ होंगे जो भारत के पंविधान के श्रनुच्छेद 366 के खंडों (24) भ्रौर (25) में कमणः उन्हें समनुद्दिष्ट किए गए हैं।
- (2) इन विनिधमों में प्रशुक्त किन्तु इन में ग्रयरिकाषित सभी शब्दों ग्रौर पदों के कारण यही प्रर्ग होंगे जो उन्हें सगस्त्र बल मुख्यालय लिपिकीय में ता नियम, 1969 में समन्दिष्ट किए गए है।
- 3. परीक्षा का लिश जाना—(1) श्रायोग द्वारा परीक्षा ऐसी रीति से ली जाएगी जो केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर ग्रिधिसुचित की जाए।
- (2) जिन तारीखों को और जिन स्थानों पर परीक्षा ली जाएगी वे ग्रायोग द्वारा नियत किए जाएंगे।
- 4. **पात्रता को शर्तें** --परीक्षा में प्रतियोगिता की पाल्रता के लिए, श्रभ्यर्थी को निम्न-लिखित शर्तें पूरी करनी होंगी, अर्थात्---

(i) मागरिकता

- (क) उसे भारत का नागरिक होना चाहिए, ग्रथवा
- (ख) उसे ऐसे व्यक्ति-प्रवर्गों का होना चाहिये जो केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त समय-समय पर प्रधिसचित किए जाएं।
- (ii) **मायु**---जिस वर्ष परीक्षा ली जाए उम आर्थ की जनघरी के पहले दिन को उसने 18 वर्ष की द्राय पूरी कर ली हो किन्तु 21 वर्ष की द्राय पूरी न की हो:

परन्तु अनुसूचित जातियो और अनुसूचित जनजातियों और ऐसे भ्रन्य व्यक्ति-प्रवर्गों की बाबत जिन्हें केन्द्रीय सरकार, सामान्य या विशेष भ्रादेश द्वारा, इस निमित्त श्रिष्ठसूचित करे, ऊपरी भ्राय सीभा उस विस्तार तक भ्रौर उन शर्तों के भ्रष्टयधीन रहते हुए, शिथिल की जा स्केगी जो ऐसे प्रत्येक प्रवर्ग की बाबत श्रिधसूचित की जाए।

(iii) श्रीशिषक श्रह्तंताएं - प्रभ्यर्थी ने किसी केन्द्रीय श्रिश्वित्यम प्रथवा भारत में राज्य विधान मंडल के किसी श्रिश्वित्यम द्वारा निगमित विश्वविद्यालय की मैद्रीकुलेशन परीक्षा या स्कूल लीविंग, सैकण्डरी स्कूल या हाई स्कूल सर्टि-फिकेट दिए जाने के लिए सैकण्डरी स्कूल कोर्स के अन्त में राज्य शिक्षा बोर्ड द्वारा ली गई परीक्षा पास की हो, या अन्यथा वह कोई ऐसी श्रह्ता रखता हो जिसे केन्द्रीय सरकार उसके समसुल्य मानती हो:

परन्तु ग्रसाधारण मामलों में, यदि ग्रभ्यर्थी ने, भले ही वह इस खण्ड में विनिर्दिष्ट ग्रहेंतात्रों में से कोई भी न रखता हो, किसी श्रन्य संस्था द्वारा ली गई ऐसी परीक्षाएं पास की हों जो आयोग की राथ मे ऐसे स्तर की है जिससे परीक्षा में उसका प्रकेश न्यायोचित ठहरता हो, तो आयोग द्वारा हरें ग्रहित माना जा सकेगा।

- (iv) कितनी बार परीक्षा में बैठा जा सकता है—यदि प्रध्यर्थी इस निमित्त केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर श्रिधसूचित किए गए श्रपवादों के श्रन्त-र्गत न श्राता हो तो, वह पहली जनवरी 1961 के पश्चात ली गई परीक्षाश्रों में एक से श्रिधक बार प्रतियोगी न रहा हो।
- (v) फीस--इम निमित्त केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित की जाने वाली छूटों या रियायतों या दोनों, के अध्यक्षीन रहते हुए अभ्यर्थी की आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट की गई फीस देनी होगी।
- 5. **प्रस्यायता के लिए संयाचना** ग्रध्यर्थी द्वारा ध्रपनी ग्रध्यायिता के लिए किसी भी प्रकार से समर्थन ग्राभित्राप्त करने के किसी प्रयास को ग्रायोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश निर्राहत कर देने वाला ग्राचरण माना जा सकेगा।
- 6. पात्रता के सम्बन्ध में विनिष्क्य परीक्षा में प्रवेश के लिए ध्रभ्यर्थी की पालता या प्रमात्रता की बाबत प्रायोग का विनिष्चय प्रन्तिम होगा और परीक्षा में ऐसे किसी ग्रभ्यर्थी को जिश नहीं दिया जाएगा जिसे भ्रायोग ने प्रवेश का प्रमाण-पत्न जारी न किया हो।
- 7. परिएाम—(1) परीक्षा के परिणाम के प्राधार पर जिन प्रभ्यथियों को प्रायोग द्वारा नियुक्ति के लिए उपगुन्त समझा जाएगा उनके नाम योग्यता-क्रम में रखे जाएंगे और जितनी नियुक्तियां किए जाने का विनिश्चय किया गया हो उतनी नियुक्तियां किए जाने के लिए उस क्रम में उनकी मिकारिश विनियम 8 के उप-विनियम (5) ग्रौर (6) के उपबन्धों के ग्रध्यक्षीन रहते हुए की जाएगी।
- (2) ग्रलग ग्रलग ग्रस्यियों को परीक्षा के परिणाम की संसूचना किस प्रकार भौर किस रीति से की जाएगी इस का विनिश्चय श्रायोग द्वारा स्विविवेकानुसार किया जाएगा श्रीर परिणामों के बारे में श्रायोग ऐसे श्रभ्यथियों से कोई भी पत्नाचार नहीं करेगा।
- 8. नियुक्तियां—(1) जब तक कि केन्द्रीय सरकार का, ऐसी जांच करने के पश्चात जैसी वह श्रावश्यक समझे, यह समाधान नहीं हो जाता कि श्रभ्यर्थी लोक सेवा में नियुक्ति के लिए हर तरह से उपयुक्त है, परीक्षा में सफलता प्राप्त कर लेने से सेवा के निम्न श्रेणी ग्रेड में नियुक्ति का कोई भी श्रधिकार नहीं मिलेगा।

- (2) किसी भी भ्रभ्यर्थी को, जब तक कि उसे ऐसी चिकित्सीय परीक्षा के परचात जो केन्द्रीय सरकार द्वारा बिहित की जाए, किसी मानसिक या शारीरिक बृटि से, जिससे सेवा के कर्तथ्यों के निर्वारत में बाधा उास्यित होना सम्भाव्य हो, सुक्त न पाया जाए, सेवा के निम्न श्रेगी बेड में नियुक्त नहीं किया जाएगा।
- (3) कोई भी व्यक्ति जिसकी एक से प्रधिक परिनयां जीवित है या जो एक पस्नी के जीवित रहते हुए किसी ऐसी दशा में विवाह करता है जिसमें उस पत्नी के जीविन काल में किए जाने के कारण वह विवाह शून्य है, ग्रौर कोई भी स्त्री जिसका विवाह इस कारण शून्य है कि उस विवाह के समय उसके पित की पत्नी जीवित थी या जिसने ऐसे व्यक्ति से विधाह किया है जिसकी पत्नी उस विवाह के समय जीवित थी, परीक्षा के परिणामों के ग्राधार पर नियुक्ति का पान नहीं होगा,होगी:

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाता है कि किसी व्यक्ति को इस उप-विनियम के प्रवर्नन से छूट देने के कोई विशेष श्राधार है, तो वह छूट दे सकेगी।

- (4) उर-विनियमों (5) श्रीर (6) में यथाउपबन्धित के सिवाय, परीक्षा के परि-णामों के श्राधार पर सेवा के निम्न श्रेणी ग्रेड में नियुक्तियां, इम निमित्त केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए ग्रादेशों के श्रनुसार श्रनुसूचित जातियों श्रीर ग्रनुसूचित जनजातियों के श्रभ्यथियों श्रीर भूतपूर्व सैनिकों के लिए श्रारक्षण के श्रध्यधीन रहते हुए, उन श्रम्यावयों के योग्यता-क्रम में जिन की नियुक्ति के लिए सिफारिश श्रायोग द्वारा की गई है, उपलब्ध रिक्तियों की संख्या तक, की जाएंगी।
- (5) भ्रनुस्चित जातियों श्रोर श्रनुस्चित जनजातियों के वे श्रभ्यर्थी, जिन्हें परीक्षा के परिणामों के श्राधार पर प्रशासन की दक्षता बनाए रखने का उचित ध्यान रखते हुए श्रायोग द्वारा नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझा जाए, परीक्षा में योग्यता-क्रम में उनका स्थान कुछ भी होते हुए भी, उनके लिए श्रारक्षित रिकितयों में नियुक्त किए जाने के लिए पाक्ष होंगे।
- (6) वे मृतपूर्व नैिनक जिन्हें परीक्षा के परिणामों के स्राधार पर स्रायोग द्वारा नियुक्ति के लिए उन्युक्त समझा जाए, परीक्षा में योग्यता-क्रम में उनका स्थान कुछ भी होते हुए भी, उनके लिए स्रारक्षित रिक्तियों में नियुक्त किए जाने के लिए पान्न होंगे:

परन्तु अनुसूचित जातियों श्रीर अनुसूचित जनजातियों के वे भूतपूर्व सैनिक, जिन्हें परीक्षा के परिणामों के आधार पर प्रशासन की दक्षता बनाए रखने का उचित ध्यान रखते हुए आगोग द्वारा नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझा जाए, परीक्षा में योग्यता-क्रम में उनका स्थान कुछ भी होने हुए भी, उन रिक्तियों में नियुक्त किए जाने के लिए पात होंगे जो भूत-पूर्व ने निकों के लिए श्रारक्षित की जाएं।

- (7) (i) ग्रम्पियों को ग्रायोग द्वारा ग्रंग्रेजी या हिन्दी में लो जाने वाली टाइप की कालाविधिक परीक्षाग्रों में से एक परीक्षा यदि, उन्होंने उसे पहले ही पास न कर लिया हो, नियुक्ति की तारीख से एक वर्ष की कालाविध के भीतर श्रंग्रेजी में 30 शब्द प्रति मिनट भीर हिन्दी में 25 शब्द प्रति मिनट की न्यूनतम गित से पास करना होगा ग्रौर उसे पस न करने पर उन्हें तब तक कोई वाधिक बैतन-वृद्धि नहीं दी जाएगी, जब तक वे उक्त परीक्षा पास नहीं कर केते; तथा
- (ii) उन स्रर्ध्याययों को जो परिवीक्षा की कालाविध के भीतर टाइप की उक्त परीक्षा पास नहीं कर लेते, सेवा से उन्मोचित किया जा सकेगा।

- 9. प्रतिक्षण या प्राय उपचार के लिए शास्ति—कोई प्रभवि जो प्रतिक्षण का, या गड़े हुए दस्तावेज प्रथवा ऐसे दस्तावेज जिनके साथ गड़बड़ी की गई हो, प्रस्तुत करने का, या ऐसे क्यन करने का जो अधुद्ध या मिथ्या हों, या तास्विक जानकारी दबाने का, था परीक्षा में प्रवेश प्रभिप्राप्त करने के लिए अन्यथा किसी अन्य अनियमित या अनुचित उपाय काम में लाने का, या परीक्षा भवन में प्रश्नमुं उपायों का प्रयोग करने या प्रयोग करने का प्रयास करने का, या परीक्षा भवन में प्रश्नार का या परीक्षा भवन में प्रथवा पहुंच के भीनर प्रप्राधिकृत कागजों, पुस्तकों या टिप्पण आदि के पाए जाने का दोषी हो या आयोग द्वारा दोशी घोषित कर दिया गया हो, स्वयं आपराधिक अभियोजन से दण्डनीय होने के अतिरिक्त,
 - (क) (i) प्रभ्यवियों के चयन के लिए प्रायोग द्वारा ली गई किसी परीक्षा में प्रवेश पाने से या साक्षास्कार के लिए उपस्थित होने से भाषीग द्वारा : तथा
 - (ii) अपने श्रधीन के नियोजन से केन्द्रीय सरकार द्वारा, स्थायी रूप से या किसी विनिर्दिष्ट कालावधि के लिए विवर्जित किया जा सकेगा;
 - (ख) यदि वह पहले ही सरकार के श्रधीन सेवा में है तो, समुचित नियमों के श्रधीन श्रनुशासनिक कार्रवाई से दण्डनीय हो सकेगा।

(सं 94549/सी०ए०मो०/डी० पी सी०)

बी० जे० सेनगुष्ता, मुख्य प्रशासनिक श्राफिसर ।